

प्रेषक,

मोहम्मद शाहिद,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

अल्पसंख्यक कल्याण,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

समाज कल्याण अनुभाग-3

देहरादून दिनांक ०७ मार्च, 2015

विषय: वित्तीय वर्ष 2014-15 में आय-व्ययक में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से सम्बन्धित अनुदान संख्या-15 के आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण उत्तराखण्ड के पत्र संख्या-1603 दिनांक 21 जनवरी, 2015 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2014-15 के मूल आय-व्ययक में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से सम्बन्धित अनुदान संख्या-15 के आयोजनेत्तर पक्ष में अरबी फारसी मदरसों का आधुनिकीकरण योजना हेतु प्राविधानित रु0 10,0000/- (रु0 दस लाख मात्र) की कुल धनराशि को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन निर्वतन पर रखते हुए व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1. वित्त विभाग के शासनादेश संख्या:-318 / XXXVII(1)/2014 दिनांक 18 मार्च, 2014 में उल्लिखित शर्तों एवं दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
2. स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय योजनान्तर्गत राज्य सरकार के संगत दिशा-निर्देशों के आलोक में नियमानुसार ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा तथा निर्धारित समयान्तर्गत राज्य सरकार एवं शासन को उपयोगिता प्रमाण-पत्र भी प्रेषित किया जायेगा।
3. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नए कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए। अवचनबद्ध मदों में से व्यय करने से पूर्व शासन की स्वीकृति प्राप्त की जाय। दिशा-निर्देशों के अनुरूप नियमानुसार ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
4. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका बजट मैनुअल के अंतर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
5. किसी भी शासकीय व्यय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम) के आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
6. वर्णित धनराशि का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित कर लें कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय, आवंटन एवं व्यय की स्थिति से यथासमय शासन को अवगत कराया जाय।

7. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। मितव्ययता/अवचनबद्ध की मर्दों में व्यय करने से पूर्व वित्त विभाग की सहमति कराना सुनिश्चित करें।
8. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्तुस्तिका के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सरणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
9. उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
10. बी0एम0-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
11. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में अल्पसंख्यक कल्याण विभागान्तर्गत अनुदान सं0-15 के आयोजनेत्तर पक्ष में मुख्य लेखाशीर्षक 2250-अन्य सामाजिक सेवायें-800-अन्य व्यय-05-अरबी फारसी मदरसों का आधुनिकीकरण (100% केन्द्रपोषित)-00-अरबी फारसी मदरसों का आधुनिकीकरण (100% के0पो0) के नामे डाला जायेगा।
12. यह आदेश वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या:-318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18 मार्च, 2014 के अलोटमेंट आई.डी. संख्या-S1503150056, दिनांक 04 मार्च, 2015 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,

(मोहम्मद शाहिद)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या:-268/XVII-3/2015-03 (बजट)/2012 तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
4. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
5. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,
(बी0एस0 बोरा)
अनु सचिव।